सरस्वती शिशु मंदिर, बिहार

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद्

पाठ्यक्रम

सत्र : 2025–26

कक्षा : तृतीय

जगत जननी माता सीता

प्रकाशक

लोक शिक्षा समिति, बिहार

एम्बैस्सडर पैलेस, कलमबाग चौक, मुजफ्फरपुर–842001

विद्या भारती द्वारा निर्धारित संस्कृत गीत-2025-26

जय महामङ्गले जय सदा वत्सले ।
देवि परमोज्जवले भरत--भू-रुपिणि ।।

हिमगिरि-किरीटिनी सुर-तटिनी-मालिनी ।
जलधि-वलयाङ्किते जय जगन्मोहिनी ।। 1 ।।

भ्रमपटल-हारिणी दुर्मोह-विध्वंसिनी ।
जय सदा शारदे बुद्धि-बल-दायिनी ।।2।।

अखिल-खल-मर्दिनी सुजन-बल-वर्धिनी ।
जय समर चण्डिके रौद्र-तनु-धारिणी ।।3।।

सत्य-सावित्री जय पुण्य-गायत्री जय ।
विमल-सुख-धात्री जय दिव्य-तेजस्विनी ।।4।।

वीरवर-सेविते योगिजन-चिन्तिते ।
देवगण-वन्दिते विश्वहित-कारिणी ।।5।।

हमारी संकल्पना

हमें ऐसे बालकों का निर्माण करना है
जिनके चेहरे पर आभा,
शरीर में बल,
मन में प्रचंड इच्छा शक्ति,
बुद्धि में पांडित्य,
जीवन में स्वावलंबन,
हृदय में शिवा, प्रताप, ध्रुव, प्रह्लाद की
जीवन गाथाएँ अंकित हों और
जिन्हें देखकर
महापुरुषों की स्मृतियाँ झंकृत हो उठे।

पाठ्य पुस्तकों की सूची

1. बाल भारती, भाग-3	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
2. हिन्दी सुलेख माला, भाग-4	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
3. गणित माला, भाग-3 अथवा	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
Prachi Mathematics-Part-3	Prachi [India] Pvt. Ltd., New Delhi
4. Creative English Reader, Book-3	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
5. An Excellent Eng. Gram., Step-I	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
6. English Conversation-Book-III	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
7. English Writing Copy, Part-III	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
8. विज्ञान और सजगता, भाग-3	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
Science & Consciousness-III	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
9. देववाणी संस्कृतम्, तृतीय सर्ग	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
10. महाभारत की कथाएँ	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
11. ज्ञान भारती, भाग-3	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
12. कला पूजन, भाग-4	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
13. My Computer, Vol. -III	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
14. अनमोल शारीरिक स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा-3	अश्विनी प्रकाशन, वाराणसी
Physical Health & Yoga Education, Part-3	Alliance Publication, Varanashi
15. वंदना	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
16. गृहकार्य निर्देशिका	सर्व शिक्षा सेवा न्यास, बिहार
17. कॉपी	सर्व शिक्षा सेवा न्यास, बिहार

पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश

नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 के निमित्त यह पाठ्यक्रम संप्रेषित है। इसके आधार पर आप अपने भैया-बहनों को उचित रीति से अध्ययन/अध्यापन एवं मार्गदर्शन कर पूर्णरूपेण लाभान्वित होंगे।

- पूरे सत्र में कक्षा अरुण से पंचम की दो परीक्षाएँ- Term-I (अर्द्धवार्षिक) एवं Term-II (वार्षिक) ली जाएँगी।
- कक्षा अरुण एवं उदय के प्रत्येक विषय की लिखित या मौखिक परीक्षा का पूर्णांक 100 होगा।
- कक्षा प्रथम से पंचम तक के प्रत्येक विषय की लिखित परीक्षा 80-80 अंकों की होगी। 20-20 अंक का आंतरिक मूल्यांकन- आवधिक मूल्यांकन (Periodic Assessment) के रूप में होगा।
- प्रथम से लेकर पंचम तक की कक्षाओं में संपूर्ण सत्र में दो आवधिक मूल्यांकन (Periodic Assessments) होंगे, जो लिखित परीक्षा के पूर्व लिए जाएँगे।
- 20 अंक के तीन भाग होंगे। पहला- 10 अंकों का Periodic Test होगा- जिसमें घोषित कार्यक्रम तक संपन्न पाठ्यक्रम को शामिल किया जाएगा। दूसरा- 05 अंक- अभ्यास पुस्तिका का मूल्यांकन (Note Book Assessment) के आधार पर देय है, जिसके अंतर्गत कार्य की नियमितता, सौंपे गए कार्य का निष्पादन तथा पुस्तिकाओं की स्वच्छता व रख-रखाव का मूल्यांकन होगा और तीसरा- 05 अंक- विषयों के प्रति भैया-बहनों की अभिरुचि और समझ के लिए दिए जाएँगे। इसमें विषय-संवर्धन (Subject Enrichment) के अंतर्गत भाषा में वाचन एवं श्रवण-कौशल का मूल्यांकन। गणित में पहाड़ा (Table), मानसिक गणित {Mental Maths}, कक्षा स्तर के अनुरूप गणित के सामान्य प्रश्नों के आधार पर मूल्यांकन होगा। विज्ञान में वैज्ञानिक कुशलता का विकास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास, जीवन की व्यवस्थितता तथा विज्ञान संबंधी सामान्य तथ्यों व प्रश्नों के आधार पर मूल्यांकन होगा। स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के अंतर्गत कबड्डी, खो-खो एवं शारीरिक क्षमता के अनुरूप अन्य खेल, योग-

व्यायाम एवं अंगों के संचालन संबंधी क्रियाओं तथा अनुशासन का मूल्यांकन होगा।

- आंतरिक मूल्यांकन के 20 अंकों में प्राप्त अंक बाद में लिखित परीक्षा के 80 अंकों में प्राप्त अंक के साथ जोड़े जाएँगे। इस प्रकार परीक्षा का परिणाम 100 अंकों पर घोषित किया जाएगा।
- Term-II (वार्षिक) में 80 अंकों की लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से होगा- कक्षा प्रथम से पंचम तक की वार्षिक (Term-II) परीक्षा में अर्द्धवार्षिक (Term-I) के पाठ्यक्रम से 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न तथा वार्षिक (Term-II) के पाठ्यक्रम से 80 प्रतिशत अंक के प्रश्न रहेंगे। अर्थात् Term-I से 16 अंकों के प्रश्न और Term-II से 64 अंकों के प्रश्न होंगे।
- निर्धारित पाठ्यक्रम में अंकित प्रश्नों के अतिरिक्त पाठ (अध्याय) के अंदर से भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं। इसके लिए संपूर्ण पाठ्यक्रम का समुचित अध्ययन करना उत्तम रहेगा।
- कक्षा अरुण से पंचम तक के प्रत्येक विषय की परीक्षा के लिए परीक्षावधि 2 घंटे की होगी। तथा शारीरिक शिक्षा एवं संगणक के लिए परीक्षावधि 1:30 घंटे की रहेगी।
- बालकों के प्रतिभा विकास के लिए हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी इत्यादि भाषाओं में वाचन, लेखन, भावाभिव्यक्ति इत्यादि पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।
- गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, संगणक इत्यादि में प्रायोगिक कार्य [Practical Work] एवं परियोजना कार्य [Project Work] को प्राथमिकता प्रदान करते हुए तदनुरूप अध्यापन करना चाहिए ताकि भैया-बहनों का संज्ञानात्मक, बोधात्मक एवं कौशलात्मक विकास हो सके।
- हिन्दी एवं अंग्रेजी विषय में प्रदत्त पत्र-लेखन और निबंध के पाठ्यक्रम के अलावे भी अन्य विभिन्न विषयों पर निबंध एवं पत्र इत्यादि का अभ्यास कराना श्रेयस्कर होगा।
- आचार्य बंधु/भगिनी से अपेक्षा है कि भैया-बहनों को केवल अभ्यास माला [Exercise] से ही प्रश्नों का अभ्यास न करावें अपितु पाठ के मध्य से भी प्रश्न निर्माण कर उनका अभ्यास करावें तथा उन्हें स्वयं भी ऐसा करने हेतु प्रोत्साहित करें।
- हमें संबंधित पाठ के बीच से भी प्रश्न निर्माण कर भैया-बहनों के ज्ञान, बोध एवं कौशल विकास की जाँच समय-समय पर करनी चाहिए तथा पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाना चाहिए।

पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश

नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 के निमित्त यह पाठ्यक्रम संप्रेषित है। इसके आधार पर आप अपने भैया-बहनों को उचित रीति से अध्ययन/अध्यापन एवं मार्गदर्शन कर पूर्णरूपेण लाभान्वित होंगे।

- पूरे सत्र में कक्षा अरुण से पंचम की दो परीक्षाएँ- Term-I (अर्द्धवार्षिक) एवं Term-II (वार्षिक) ली जाएँगी।
- कक्षा अरुण एवं उदय के प्रत्येक विषय की लिखित या मौखिक परीक्षा का पूर्णांक 100 होगा।
- कक्षा प्रथम से पंचम तक के प्रत्येक विषय की लिखित परीक्षा 80-80 अंकों की होगी। 20-20 अंक का आंतरिक मूल्यांकन- आवधिक मूल्यांकन (Periodic Assessment) के रूप में होगा।
- प्रथम से लेकर पंचम तक की कक्षाओं में संपूर्ण सत्र में दो आवधिक मूल्यांकन (Periodic Assessments) होंगे, जो लिखित परीक्षा के पूर्व लिए जाएँगे।
- 20 अंक के तीन भाग होंगे। पहला- 10 अंकों का Periodic Test होगा- जिसमें घोषित कार्यक्रम तक संपन्न पाठ्यक्रम को शामिल किया जाएगा। दूसरा- 05 अंक- अभ्यास पुस्तिका का मूल्यांकन (Note Book Assessment) के आधार पर देय है, जिसके अंतर्गत कार्य की नियमितता, सौंपे गए कार्य का निष्पादन तथा पुस्तिकाओं की स्वच्छता व रख-रखाव का मूल्यांकन होगा और तीसरा- 05 अंक- विषयों के प्रति भैया-बहनों की अभिरुचि और समझ के लिए दिए जाएँगे। इसमें विषय-संवर्धन (Subject Enrichment) के अंतर्गत भाषा में वाचन एवं श्रवण-कौशल का मूल्यांकन। गणित में पहाड़ा (Table), मानसिक गणित {Mental Maths}, कक्षा स्तर के अनुरूप गणित के सामान्य प्रश्नों के आधार पर मूल्यांकन होगा। विज्ञान में वैज्ञानिक कुशलता का विकास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास, जीवन की व्यवस्थितता तथा विज्ञान संबंधी सामान्य तथ्यों व प्रश्नों के आधार पर मूल्यांकन होगा। स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के अंतर्गत कबड्डी, खो-खो एवं शारीरिक क्षमता के अनुरूप अन्य खेल, योग-

व्यायाम एवं अंगों के संचालन संबंधी क्रियाओं तथा अनुशासन का मूल्यांकन होगा।

- आंतरिक मूल्यांकन के 20 अंकों में प्राप्त अंक बाद में लिखित परीक्षा के 80 अंकों में प्राप्त अंक के साथ जोड़े जाएँगे। इस प्रकार परीक्षा का परिणाम 100 अंकों पर घोषित किया जाएगा।
- Term-II (वार्षिक) में 80 अंकों की लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से होगा- कक्षा प्रथम से पंचम तक की वार्षिक (Term-II) परीक्षा में अर्द्धवार्षिक (Term-I) के पाठ्यक्रम से 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न तथा वार्षिक (Term-II) के पाठ्यक्रम से 80 प्रतिशत अंक के प्रश्न रहेंगे। अर्थात् Term-I से 16 अंकों के प्रश्न और Term-II से 64 अंकों के प्रश्न होंगे।
- निर्धारित पाठ्यक्रम में अंकित प्रश्नों के अतिरिक्त पाठ (अध्याय) के अंदर से भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं। इसके लिए संपूर्ण पाठ्यक्रम का समुचित अध्ययन करना उत्तम रहेगा।
- कक्षा अरुण से पंचम तक के प्रत्येक विषय की परीक्षा के लिए परीक्षावधि 2 घंटे की होगी। तथा शारीरिक शिक्षा एवं संगणक के लिए परीक्षावधि 1:30 घंटे की रहेगी।
- बालकों के प्रतिभा विकास के लिए हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी इत्यादि भाषाओं में वाचन, लेखन, भावाभिव्यक्ति इत्यादि पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।
- गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, संगणक इत्यादि में प्रायोगिक कार्य [Practical Work] एवं परियोजना कार्य [Project Work] को प्राथमिकता प्रदान करते हुए तदनुरूप अध्यापन करना चाहिए ताकि भैया-बहनों का संज्ञानात्मक, बोधात्मक एवं कौशलात्मक विकास हो सके।
- हिन्दी एवं अंग्रेजी विषय में प्रदत्त पत्र-लेखन और निबंध के पाठ्यक्रम के अलावे भी अन्य विभिन्न विषयों पर निबंध एवं पत्र इत्यादि का अभ्यास कराना श्रेयस्कर होगा।
- आचार्य बंधु/भगिनी से अपेक्षा है कि भैया-बहनों को केवल अभ्यास माला [Exercise] से ही प्रश्नों का अभ्यास न करावें अपितु पाठ के मध्य से भी प्रश्न निर्माण कर उनका अभ्यास करावें तथा उन्हें स्वयं भी ऐसा करने हेतु प्रोत्साहित करें।
- हमें संबंधित पाठ के बीच से भी प्रश्न निर्माण कर भैया-बहनों के ज्ञान, बोध एवं कौशल विकास की जाँच समय-समय पर करनी चाहिए तथा पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाना चाहिए

हिन्दी

सामान्य शैक्षिक निर्देश

1. पाठ प्रारंभ करने के पूर्व भैया-बहनों को आधारभूत जानकारी दी जाए। इसमें मात्राओं की जानकारी, शुद्ध उच्चारण के साथ पाठ वाचन। संयुक्त अक्षरों को लिखने और मात्रा लगाकर पढ़ने का शुद्ध-शुद्ध ज्ञान कराना।
2. सप्ताह में एक दिन वर्णों की मूलाकृति श्यामपट्ट पर बताकर सुलेख कराना।
3. सप्ताह में एक दिन श्रुतलेख लिखाना एवं निरीक्षण करना। प्रत्येक सावधिक परीक्षा से पूर्व यूनिट जाँच ले सकते हैं।
4. हिन्दी सुलेख माला, भाग-5 से प्रत्येक सप्ताह एक पृष्ठ सुलेख लिखाना।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल

बाल भारती : **पाठ-1**-सूरदास की वाणी का सस्वर पाठ, भावार्थ बताना **पाठ-2**-सबको प्रणाम है **पाठ-3**-परीक्षा-अभ्यास कार्य।

व्याकरण : तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशज की परिभाषा उदाहरण सहित बतलाना।

सुलेख : प्रत्येक शनिवार को सुलेख का अभ्यास कराना।

मई+जून

बाल भारती : **पाठ-4**-वर्णों के बोल **पाठ-5**-झरना- भावार्थ सहित कविता कंठस्थ कराना **पाठ-6**-शेर और सियार- अभ्यास कार्य।

व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया की परिभाषा और उदाहरण।

निबंध : मेरा गाँव - दस वाक्य लिखने का अभ्यास कराना।

पत्र : अवकाश हेतु प्रधानाचार्य के पास आवेदन पत्र।

सुलेख : प्रत्येक शनिवार को सुलेख का अभ्यास कराना।

जुलाई

बाल भारती : **पाठ-7**-बालक आरुणि **पाठ-8**-हिमालय **पाठ-9**-शहीद की चिता **पाठ-10**-पंछी-भावार्थ सहित कविता कंठस्थ कराना एवं अभ्यास कार्य।

व्याकरण : कारक एवं वचन की परिभाषा तथा उदाहरण।

निबंध : स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, आदि पर निबंध लिखने का अभ्यास कराना।

पत्र : अवकाश हेतु प्रधानाचार्य के पास आवेदन पत्र।

सुलेख : प्रत्येक शनिवार को सुलेख का अभ्यास कराना।

निर्देश→ : भैया-बहनों को विभिन्न कारणों से संबंधित प्रधानाचार्य के पास आवेदन-पत्र लिखने का अभ्यास कराना। अनुस्वार का यथास्थान प्रयोग अवश्य कराएँ।

अगस्त

बाल भारती : **पाठ-11**-पटना **पाठ-12**-बालक प्रताप **पाठ-13**-जंगल के जीव- अध्यापन एवं अभ्यास कार्य।

व्याकरण : वाक्य बनाकर लिंग निर्धारण करने तथा मुहावरे का प्रयोग वाक्य में करने के लिए बतलाना।

निबंध : 'अपना शिशु मंदिर' पर दस वाक्य लिखने का अभ्यास कराना।

पत्र : विविध कार्यों के लिए रुपया मँगाने हेतु माता-पिता को पत्र लिखने का अभ्यास कराना।

सुलेख : प्रत्येक शनिवार को सुलेख का अभ्यास कराना।

सितंबर

बाल भारती : **पाठ-14**-हमारी पूजा-पाठ का अध्यापन एवं अभ्यास कार्य।

व्याकरण : पाठ्य-पुस्तक में दिये गये संधि एवं मुहावरे का पूरा अभ्यास कराना।

निबंध : पुस्तकालय- पर निबंध लिखने का अभ्यास कराना।

सुलेख : प्रत्येक शनिवार को सुलेख का अभ्यास कराना।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास कराना।

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर

बाल भारती : **पाठ-15**- कबीरदास की वाणी-लयबद्ध पाठ कंठस्थ (अर्थ सहित) कराना एवं सुनना।
पाठ-16-विवेकानंद पाठ का अध्यापन एवं अभ्यास कार्य।

व्याकरण : मुहावरे से वाक्य बनाने का अभ्यास।

निबंध : दुर्गापूजा तथा दीपावली पर दस-दस वाक्य लिखाना।

पत्र : देशाटन, मेला, वार्षिकोत्सव का अनुभव बतलाते हुए अपने मित्र/भाई/बहन को पत्र लिखें।

सुलेख : प्रत्येक शनिवार को सुलेख का अभ्यास कराना।

निर्देश→ : कक्षा में वार्तालाप द्वारा शुद्धि, लिंग तथा वचन संबंधी अभ्यास कराना।

नवंबर

बाल भारती : **पाठ-17**-बैजू बावरा, **पाठ-18**-मोर, हंस और कोयल
पाठ-19-दीपों का गीत (अर्थ सहित कंठस्थ कराना, सुनना)
पाठ-20-जगदीशचंद्र बसु- अभ्यास कार्य।

व्याकरण : उपसर्ग बताना तथा उपसर्ग लगाकर शब्द बनाने का अभ्यास कराना।
निबंध : किसान पर दस वाक्य लिखने का अभ्यास कराना।
सुलेख : प्रत्येक शनिवार को सुलेख का अभ्यास कराना।

दिसंबर

बाल भारती : पाठ-21-तेनालीराम **पाठ-22**-झलकारी **पाठ-23**-अंग्रेजों! भारत छोड़ो- कविता कंठस्थ कराना एवं सुनना (अर्थ सहित) **पाठ-24**-गंगाद्वार में भारत माँ- अध्यापन एवं अभ्यास कार्य।
व्याकरण : कठिन शब्दों का अर्थ बताना, वाक्य बनवाना, सामान्य विपरीतार्थक शब्द बताना, संयुक्त वर्ण का अभ्यास कराना।
निबंध : गणतंत्र दिवस एवं सरस्वती पूजा पर दस वाक्य लिखने एवं बोलने का अभ्यास कराना।
पत्र : प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखें।
सुलेख : प्रत्येक शनिवार को सुलेख का अभ्यास कराना।

जनवरी

बाल भारती : पाठ-25-मनमोहन की राखी
पाठ-26-कबीरदास-अध्यापन एवं अभ्यास कार्य।
व्याकरण : कठिन शब्दों का अर्थबोध कराकर वाक्य बनवाना।
सुलेख : प्रत्येक शनिवार को सुलेख का अभ्यास कराना।

फरवरी–मार्च

बाल भारती : पाठ-27-भारत-केहरी- भावार्थ सहित कविता कंठस्थ कराना एवं अभ्यास कार्य।
निबंध : 'होली' पर दस वाक्य लिखने एवं बोलने का अभ्यास कराना।
निर्देश → : सभी पठित पाठों, व्याकरण एवं रचना के पक्षों, पत्र, लेख आदि का पुनराभ्यास। संबंधित पाठ से प्रश्नोत्तर कार्य करें। (यूनिट जाँच)

वार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास कराना।

संस्कृतम्

सामान्य निर्देशाः

1. सत्रारम्भे एव सम्भाषण-शिविरस्य आयोजनं भवेत्।
2. कक्षायां प्रसन्नमुद्रायां प्रविश्य छात्राणां कुशलता प्रष्ट्व्या।
3. कक्षायां संस्कृत-शब्दानां प्रयोगः करणीयः।

4. प्रश्नोत्तर-विधिना शिक्षणं करणीयम्।
5. कक्षायां प्रेरक-प्रसङ्गः, लघुकथा, श्लोकवाचनं यदा-कदा करणीयम्।
6. संस्कृते शिशु-सभा प्रतियोगिता च करणीया।
7. कालांशस्य प्रारम्भे मङ्गलाचरणस्य सामूहिकं सस्वरगानं भवेत्।
8. पाठानुरूपाभिनयेन पाठस्य प्रस्तुतिकरणं भवेत्।
9. पाठाधारेण सह-पाठ्यसामग्रीणां (चित्राणि, वस्तूनि, शब्द फलकानि) संग्रहणं करणीयम्।
10. श्रवणं, भाषणं पठनं लेखन चेति, एतेन क्रमेण भाषापाठः करणीयः।

अर्द्धवार्षिकी परीक्षाः

अप्रैल

मङ्गलाचरणम् : एतस्य पाठस्य अध्यापनम्। अस्मिन् पाठे भारतमातुः वंदना अस्ति। स्वदेशं प्रति श्रद्धायाः भावं भवेत्।
प्रथमः पाठः : अस्मिन् पाठे द्वितीया विभक्तेः प्रयोगः अस्ति। एकवचन-बहुवचनस्य भेदः अपि ज्ञापयतु। पाठं साभिनयं पाठयतु। कः किं करोति? इत्याधारेण प्रश्नाः प्रष्ट्व्याः।

मई+जून

द्वितीयः पाठः : अस्मिन् पाठे सप्तमी-विभक्तेः प्रयोगः अस्ति। पाठस्य अध्यापनं अभिनयेन कुर्यात्। प्रथमं उत्तरं वदनीयम् अनन्तरं प्रश्नः पृच्छनीयः। वस्तुचित्र- दर्शनमपि आवश्यकम्। प्रथमा विभक्तेः शब्दानां सप्तमी विभक्तौ परिवर्तनम्।
वंदना : प्रातः स्मरणम्, वंदना, भोजनमंत्राः एतेषां श्लोकानां सस्वरवाचनं, उच्चारणाभ्यासः, स्मरणादिकार्यम् अपि भवेत्।
तृतीयः पाठः : अस्मिन् पाठे अव्ययपदस्य अस्ति। चित्राणि दर्शयित्वा वस्तूनि यत्र-तत्र स्थापयित्वा प्रश्नः पृच्छनीयः। इतोऽपि अव्ययपदानां अभ्यासः भवेत्।
चतुर्थः पाठः : सः, सा, तत् इति सर्वनाम पदानां प्रयोगः अपि अभिनयेन करणीयः। दूरे वस्तूनि दर्शयित्वा प्रश्नः करणीयः।

वंदना : 'एकात्मतास्तोत्रस्य' एकतः पञ्चश्लोकपर्यन्तं, वंदेमातरम् एतेषां सस्वर- उच्चारणाभ्यासः।

जुलाई

पञ्चमः पाठः : लोट्लकाराधारितं (आज्ञार्थक) पाठोऽयम्, अतः पाठः साभिनयं पाठनीयः। पाठसम्पादने छात्राणां सहभागिता अपि अत्यावश्यकी।

षष्ठ पाठः : 'शिष्टाचारः' एतस्य पाठस्य अध्यापनं साभिनयं करणीयम्। प्रथमं छात्राणां मध्ये पात्र परिचयः करणीयः अनन्तरं सम्भाषणं भवेत्। शिष्टाचारस्य महत्वमपि उपस्थापनीयम्।

वंदना : 'गीतासारस्य' एकतः पञ्चश्लोकपर्यन्तं सस्वरवाचनम्, उच्चारणाभ्यासः। गीतायाः विषये सामान्यरूपेण ज्ञानप्रदानम्। पठित पाठानां प्रश्नोत्तर कार्यम्।

अगस्त

सप्तमः पाठः : 'भोजन-समये सम्भाषणम्' इत्यस्य पाठस्य अध्यापनं साभिनयं भवेत्। पात्रपरिचयं कारयित्वा सम्भाषणं भवेत्। भोजनमंत्रस्य महत्ता अपि उपस्थापनीया।

अष्टमः पाठः : 'सुभाषितानि' एतस्य पाठस्य केवलं सस्वरउच्चारणाभ्यासः। श्लोकस्य अर्थमपि सरलसंस्कृतभाषया भवेत्।

वंदना : 'एकात्मतास्तोत्रस्य' षष्ठतः दशश्लोकं यावत् सस्वरवाचनम् उच्चारणाभ्यासः च अपि भवेत्। 'गीतासारस्य' प्रथमतः पञ्चमश्लोकं यावत् सस्वरवाचनम् उच्चारणं पुनराभ्याश्च भवेत।

सितंबर ***अर्द्धवार्षिकी परीक्षाः हेतुः पुनरावृत्ति।***

वार्षिकी परीक्षाः

अक्टूबर

नवमः पाठः : 'समयबोधः दिनचर्या च' इति पाठस्य अध्यापनम्। सर्वप्रथमं घटीं दर्शयित्वा समयबोधः करणीयः। अनन्तरं दिनचर्याधारितं वाक्य-निर्माणस्य अभ्यासः भवेत्।

क्रियाकलापः : 'सुभाषितानि' आधृत्य सुलेख प्रतियोगितायाः आयोजनम् आवश्यकम्।

वंदना : 'एकात्मतास्तोत्रस्य' एकादशतः पञ्चदशश्लोकपर्यन्तं। सुभाषितस्य-एकतः पञ्चश्लोकपर्यन्तं उच्चारणादि कार्य भवेत्।

नवंबर

दशमः पाठः : 'काल-बोधः' अस्य पाठस्य अध्यापनम्। दिनदर्शिकां दर्शयित्वा कालबोधः करणीयः। छात्राः अपि दिनदर्शिकायां दिनाङ्कः दृष्ट्वा वदेयुः - अद्य कः दिनाङ्कः? इत्यादि।

एकादशः पाठः : 'चटक! चटक!' इति पाठस्य सस्वरगानम्। प्रथमं आचार्यः गीत गानं करोतु अनन्तरं छात्राः अपि कुर्वन्तु, गीतं सामूहिकं व्यक्तिगतं च भवेत्। गीतस्य भावं उपस्थापनीयं।

वंदना : 'एकात्मतास्तोत्रस्य' षोड्शतः विंशतिः श्लोकं पर्यन्तम् उच्चारणाभ्यासः स्मरणं च।

दिसंबर

द्वादशः पाठः : 'जन्तुशाला' इति पाठस्य अध्यापनार्थं चित्रैः क्रीडनकैः लघु जन्तुशालायाः निर्माणं कृत्वा छात्राणां पुरतः स्थापयतु। अनन्तरं संवादवाचनं भवेत्। पालित-पशवः वन्यः पशवः च अनयोः मध्ये भेदः ज्ञापनीयः।

त्रयोदशः पाठः : 'मित्रं लघु अपि वरम्' पाठस्य कथायाः वाचनं प्रथमं मौखिकरूपेण भवेत्। मित्रस्य महत्त्वम् अपि उपस्थापनीयम्। एकं-एकं वाक्यं संयोज्य कथानिर्माणं भवेत्, इति प्रयासः करणीयः।

व्याकरणम् : 'अस्' धातोःरूपाणि लट्लकारे अभ्यासं कारयतु।

वंदना : 'गीतासारस्य' षष्ठतः दशश्लोकं यावत् सस्वरवाचनं उच्चारणाभ्यासः च। 'सुभाषितस्य' षष्ठतः दशश्लोकं यावत् सस्वरवाचनं उच्चारणाभ्यासः च।

जनवरी

चतुर्दशः पाठः : 'सूक्तयः' पाठस्य अध्यापनम्। सरलसंस्कृतभाषया अर्थमपि ज्ञापयन्। सूक्तिनां सुन्दरैः अक्षरैः लेखनं कृत्वा विद्यालये कक्षायां स्थापयन्।

परिशिष्टम् : शब्दार्थस्य स्मरणाभ्यासः करणीयः। पठित पाठानाम् प्रश्नोत्तरकार्यम् अपि भवेत (पृष्ठ-41 एवं 42)।

वंदना : 'गीतासारस्य' एकादशतः पञ्चदशश्लोकपर्यन्तं। 'सुभाषितस्य' सर्वेषां श्लोकानां सस्वरवाचनम् उच्चारणाभ्यासः च।

फरवरी + मार्च

पाठ्यपुस्तकम् : प्रश्नोत्तर कार्यम्–करणीयः। पठित पाठानाम् प्रश्नोत्तर कार्यम्।

व्याकरणम् : 'कृ' धातोः रूपाणि लट्लकारे अभ्यासः स्मरणं च।

परिशिष्टम् : संख्यापाठः, एकवचन-बहुवचनस्य, क्रियापदानाम् रटनाभ्यासः करणीयः। (पृष्ठ-43 से 48)

वंदना : पुनराभ्यासः।

वार्षिकी परीक्षाः हेतुः पुनरावृत्ति।

ENGLISH

General Instructions

1. A Teacher should try to increase the capacity of a student in reading and writing both.
2. Each and every word should be pronounced correctly.
3. Teacher must speak English in English Classes.
4. Teacher should use proper actions to express every word and sentence with proper sound effect.
5. Proper teaching aids must be used by the teacher.
6. While teaching poems actions and proper pronunciation is must.
7. Teachers should select some passages for comprehension practice from the prescribed book.

For Guardians

1. Guardians should help the children read the lessons correctly. English words and some English sentences should be used at home.
2. Help the children learn the spelling and meaning with the help of a dictionary.
3. Writing work should be improved by giving one page daily.
4. Create English environment at home.
5. Sit with your children at least two hours daily.

For Students

1. Read the lessons with proper pronunciation.
2. Memorize the spellings and meaning of new words everyday.
3. Write beautifully everyday at least one page.
4. Speaking practice at least one hour daily with your elder.
5. Directions given by the teachers must be followed.

Halfyearly (Term-I) Examination

[APRIL]

Text book : **Chapter-1-** Help Me to Be (Page-06 to 08)

Grammar : Letters and Alphabet, Vowels, Consonants and Semi-Vowels.

Writing Book : Writing Practice. Page- 3 & 4.

MAY + JUNE

Text book : **Lesson-2-** Did I make a promise?
Lesson-3- Tit For Tat;
Lesson-4- Introducing A New Friend (Page-09 to 24)

Grammar : Words, Naming words-Nouns, Naming Words-Months.

Paragraph : The Cow. (Help other book)

Conversation : Reading practice of Chapter- 1 & 2.

Writing Book : Writing Practice. Page- 5 to 9.

[JULY]

Text book : **Lesson-5-** Dashrath Manjhi- The Mountain Man.
Lesson-6- How beautiful the world is!
Lesson-7- A Dog Loves Cakes (Page- 25 to 36)

Grammar : Words For Nouns, One and More Than One.

Paragraph : The Dog.

Conversation : Practice of Chapter- 3.

Translation : Based on Grammar Chapters.

Writing Book : Writing Practice. Page- 10 to 13.

[AUGUST]

Text Book : **Lesson-8-** The Hare And The Tortoise
Lesson-9- Swami Vivekanand (Page-37 to 46)

Grammar : Genders and Its Kinds, Person, Test Paper-A.
Lesson-18- Test yourself- "C". (Page-81 to 84)

Conversation : Practice of reading Chapter-4 & 5.

Writing Book : Writing Practice. Page- 14 to 17.

[SEPTEMBER]

Text Book : **Revision of Lesson- 01 to 09.**

Grammar : Use of A, An and The.

Writing Book : Writing Practice. Page- 18.

Revision for Halfyearly Examination.

Annual (Term-II) Examination

[OCTOBER]

Text Book : **Lesson-10-** True Friendship

Lesson-11- Money cannot give happiness (P.-47 to 53)

Grammar : Action words, Uses Am, Is, Are.

Conversation : Practice of reading Chapter- 6 & 7.

Writing Book : Writing Practice. Page- 19.

[NOVEMBER]

Text Book : **Lesson-12-** Winter And Spring.
Lesson-13- No vice like avarice (Page-54 to 61)

Grammar : Uses of Was & Were, Uses of Has, Have & Had.

Paragraph : My School.

Conversation : Reading Practice of Chapter- 8 & 9.

Translation : Based on Grammar Chapters.

Writing Book : Writing Practice. Page- 20 to 22.

[DECEMBER]

Text Book : **Lesson-14-** Vegetables.
Lesson-15- The Proud Peacock (Page-62 to 70)

Grammar : Sentences, Kinds of Sentences. Uses of **'Shall'** and **'Will'**.

Paragraph : Your Best Friend.

Conversation : Practice of reading Chapter-10 & 11.

Writing Book : Writing Practice. Page- 23 to 25.

JANUARY

Text Book : **Lesson-16-** The Balloon Man.
Lesson-17- Two Friends And The Bear (Page-71 to 76)

Grammar : Uses of Capital Letters. Test Paper-B.

Conversation : Practice of reading Chapter-12.

Writing Book : Writing Practice. Page- 26 to 29.

[FEB. + MARCH]

Text Book : Lesson-18- A Letter To A friend (Page-77 to 80).

Grammar : Uses of Capital Letters. Test Paper-C.

Revision for Annual Examination.

गणित

* गणित के सवाल हल करने में सरलता हो इसलिए गिनती, उलटी गिनती, पहाड़ा, ग्यारहाँ-'11 ग्यारहाँ-121...' से '17 ग्यारहाँ 187....' तक बताना, लिखाना एवं याद कराना।

ग्यारहाँ

11 × 11 = 121	12 × 11 = 132	13 × 11 = 143	14 × 11 = 154
11 × 12 = 132	12 × 12 = 144	13 × 12 = 156	14 × 12 = 168
11 × 13 = 143	12 × 13 = 156	13 × 13 = 169	14 × 13 = 182
11 × 14 = 154	12 × 14 = 168	13 × 14 = 182	14 × 14 = 196
11 × 15 = 165	12 × 15 = 180	13 × 15 = 195	14 × 15 = 210
11 × 16 = 176	12 × 16 = 192	13 × 16 = 208	14 × 16 = 224
11 × 17 = 187	12 × 17 = 204	13 × 17 = 221	14 × 17 = 238
11 × 18 = 198	12 × 18 = 216	13 × 18 = 234	14 × 18 = 252
11 × 19 = 209	12 × 19 = 228	13 × 19 = 247	14 × 19 = 266
11 × 20 = 220	12 × 20 = 240	13 × 20 = 260	14 × 20 = 280

15 × 11 = 165	16 × 11 = 176	17 × 11 = 187
15 × 12 = 180	16 × 12 = 192	17 × 12 = 204
15 × 13 = 195	16 × 13 = 208	17 × 13 = 221
15 × 14 = 210	16 × 14 = 224	17 × 14 = 238
15 × 15 = 225	16 × 15 = 240	17 × 15 = 255
15 × 16 = 240	16 × 16 = 256	17 × 16 = 272
15 × 17 = 255	16 × 17 = 272	17 × 17 = 289
15 × 18 = 270	16 × 18 = 288	17 × 18 = 306
15 × 19 = 285	16 × 19 = 304	17 × 19 = 323
15 × 20 = 300	16 × 20 = 320	17 × 20 = 340

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल

अध्याय-1 – पुनरावृत्ति। (पृष्ठ-1 से 3)

अध्याय-2 – चार अंकीय संख्याएँ। (पृष्ठ-4 से 11) क्रमशः

विशेष – ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना-

11 × 11 = 121, 11 × 12 = 132, 11 × 13 = 143.......

मई+जून

अध्याय-2 – चार अंक की संख्या में स्थानीय मान(पृष्ठ-12 से 17) समाप्त

अध्याय-3 – जोड़। (पृष्ठ-18 से 33 तक)

विशेष – ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना-

12 × 11 = 132, 12 × 12 = 144, 12 × 13 = 156........

और 13 × 11 = 143, 13 × 12 = 156, 13 × 13 = 169........

जुलाई

अध्याय-4 – घटाव। (पृष्ठ-34 से 48)

अध्याय-5 – गुणा। (पृष्ठ-49 से 60)

विशेष – ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना-

14 × 11 = 154, 14 × 12 = 168, 14 × 13 = 182........

अगस्त

अध्याय-6 – भाग। (पृष्ठ-61 से 69)

अध्याय-7 – सम एवं विषम संख्याएँ। (पृष्ठ-70 से 74)

विशेष – मस्तिष्क मंजन–1 से 3 तक। (पृष्ठ-130 से 133)

– नैदानिक अभ्यास–1 से 3 तक। (पृष्ठ-145 एवं 146)

– ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना-

15 × 11 = 165, 15 × 12 = 180, 15 × 13 = 195........

सितंबर ***अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए पुनराभ्यास कराना।***

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर

अध्याय-8 – सरल भिन्न। (पृष्ठ-75 से 81)

विशेष – 11 ग्यारहाँ और 12 ग्यारहाँ पुनः बताना एवं याद कराना।

नवंबर

अध्याय-9 – भारतीय मुद्रा। (पृष्ठ-82 से 94)

अध्याय-10 – तौल एवं माप की इकाई। (पृष्ठ-95 से 106)

विशेष – आँकड़ों का चित्रात्मक निरूपण। (पृष्ठ-134 से 139)

– नैदानिक अभ्यास-4 एवं 5 तक। (पृष्ठ-146 एवं 147)

– 13 ग्यारहाँ से 15 ग्यारहाँ तक का पुनराभ्यास।

दिसंबर

अध्याय-11 – लंबाई मापने की इकाई। (पृष्ठ-107 से 110)

अध्याय-12 – समय की माप। (पृष्ठ-111 से 120)

विशेष – आँकड़ों का चित्रात्मक निरूपण। (पृष्ठ-140 से 144)

– नैदानिक अभ्यास-6 एवं 7 तक। (पृष्ठ-147 एवं 148)

– 16 ग्यारहाँ एवं 17 ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना-

$16 \times 11 = 176$, $16 \times 12 = 192$, $16 \times 13 = 208$...

और $17 \times 11 = 187$, $17 \times 12 = 204$, $17 \times 13 = 221$...

जनवरी

अध्याय-13 – ज्यामितिक आकृतियाँ। (पृष्ठ-121 से 125)

विशेष – 16 ग्यारहाँ एवं 17 ग्यारहाँ पुनः बताना एवं याद कराना।

फरवरी+मार्च

अध्याय-14 – रेखागणित। (पृष्ठ-126 से 129)

वार्षिक परीक्षा के लिए पुनराभ्यास कराना।

MATHEMATICS

Instruction For Teachers :-

1. Mental Maths and activity time have been attached to every unit.
2. Students must be taught above topics.
3. Questions will also be asked from them.
4. Graph paper must be used while teaching graph.
5. The subject teacher must stress on the students to prepare project work given in the Syllabus.

Note :- Writing, Reading and Memorize Practice of Counting, Table etc from Hindi Medium Maths syllabus.

$11 \times 11 = 121$.... to $17 \times 11 = 187$.... .

Halfyearly (Term-I) Examination

APRIL

Chapter -0 - Revision.

Chapter -1 - Numbers upto ten thousand.

Mental Mathematics - Exercise-1- Based on numbers and roman numberals.

Lab Activity - 1 and 2- Drawing a hut and a jokar.

MAY+JUNE

Chapter -2 - Regional and Roman Numbers.

Chapter -3 - Addition of Numbers.

Chapter -4 - Subtraction of Number.

Test Paper - 1- Based on chapters 1 to 4.

Mental Mathematics - Exer.-2- Based on Addition and Subtraction

Exer.-3- Based on Addition and Subtraction of Number

Lab Activity - 3- Drawing a flower.

JULY

Chapter -5 - Multiplication.

Chapter -6 - Division.

Mental Mathematics - Exer.-4- Based on Multiplication and Division of Numbers.
Lab Activity - 4- Representing pairs of numbers.
- 12- Representing multiplication tables.

AUGUST

Chapter-7 - Fractional Numbers (Fractions).
Chapter-8 - Money.
Test Paper - 2- Based on chapters 5 to 8.
Test Paper - 3- Based on chapters 1 to 8.
Mental Mathematics - Exercise-5- Based on Fractional Numbers
Exercise-11- Based on Money- Knowing money transactions.
Reasoning Activity - Section-A- Qualitative Reasoning.
- 12- Representing multiplication tables.

SEPTEMBER ***Revision for Halfyearly Examination.***

Annual (Term-II) Examination

OCTOBER

Chapter-9 - Length (Measures of Length).
Mental Mathematics - Exercise-6-Based on Measurement of length.
Lab Activity - 5- Measuring body parts.
- 6- Measuring dimensions of door or windows.

NOVEMBER+DECEMBER

Chapter-10 - Measurement of weight.
Chapter-11 - Measurement of capacity.
Chapter-12 - Time.
Test Paper - 4- Based on chapters 9 to 11.
Mental Mathematics - Exercise-7- Based on measurement of weight.
Exercise-8- Based on measurement of capacity.
Lab Activity - 13- Determining an even or odd number.

JANUARY

Chapter-13 - Geometrical Shape.
Mental Mathematics - Exercise-9- Based on time
Exercise-10- Based on Geometrical Shapes.
Lab Activity - 7- Counting the edges and corners.
Lab Activity - 8- Counting the edges and corners while folding a rectangular paper.

FEBUARY+MARCH

Chapter-14 - Patterns.
Chapter-15 - Data Handling.
Test Paper - 5- Based on Chapters 12 to 15.
Test Paper - 6- Based on Chapters 9 to 15.
Lab Activity - 9- Folding a paper five times in any way.
Lab Activity - 8- Making shapes using Tangram Pieces.

Revision for Annual Examination.

विज्ञान

आचार्यों के लिए निर्देश

पाठ्यक्रम के समस्त विषय बाल केंद्रित एवं क्रिया आधारित हैं। आचार्य बंधुओं से निवेदन है कि विषय वस्तु का ज्ञान बच्चों को पारम्परिक शैली में नहीं कराकर प्रत्यक्ष विधि से करके दिखाया जाए। समुचित उपकरणों का प्रयोग शैक्षिक प्रक्रिया को रोचक बनाने में अवश्य करें। परियोजना कार्य भी कराना अपेक्षित है।

अभिभावकों के लिए निर्देश

अभिभावकों से अपेक्षा है कि वे भैया/बहनों के पठन-पाठन में प्रत्यक्ष सहयोग दें।

छात्रों के लिए निर्देश

आचार्यों द्वारा दिये गए निर्देशों का पूर्णतः पालन करें। विभिन्न विषय-वस्तु से संबंधित परियोजना कार्य भी अवश्य करें।

Mental Mathematics - Exer.-4- Based on Multiplication and Division of Numbers.

Lab Activity - 4- Representing pairs of numbers.
- 12- Representing multiplication tables.

AUGUST

Chapter-7 - Fractional Numbers (Fractions).
Chapter-8 - Money.
Test Paper - 2- Based on chapters 5 to 8.
Test Paper - 3- Based on chapters 1 to 8.
Mental Mathematics - Exercise-5- Based on Fractional Numbers
Exercise-11- Based on Money- Knowing money transactions.
Reasoning Activity - Section-A- Qualitative Reasoning.
- 12- Representing multiplication tables.

SEPTEMBER ***Revision for Halfyearly Examination.***

Annual (Term-II) Examination

OCTOBER

Chapter-9 - Length (Measures of Length).
Mental Mathematics - Exercise-6-Based on Measurement of length.
Lab Activity - 5- Measuring body parts.
- 6- Measuring dimensions of door or windows.

NOVEMBER+DECEMBER

Chapter-10 - Measurement of weight.
Chapter-11 - Measurement of capacity.
Chapter-12 - Time.
Test Paper - 4- Based on chapters 9 to 11.
Mental Mathematics - Exercise-7- Based on measurement of weight.
Exercise-8- Based on measurement of capacity.
Lab Activity - 13- Determining an even or odd number.

JANUARY

Chapter-13 - Geometrical Shape.
Mental Mathematics - Exercise-9- Based on time
Exercise-10- Based on Geometrical Shapes.
Lab Activity - 7- Counting the edges and corners.
Lab Activity - 8- Counting the edges and corners while folding a rectangular paper.

FEBUARY+MARCH

Chapter-14 - Patterns.
Chapter-15 - Data Handling.
Test Paper - 5- Based on Chapters 12 to 15.
Test Paper - 6- Based on Chapters 9 to 15.
Lab Activity - 9- Folding a paper five times in any way.
Lab Activity - 8- Making shapes using Tangram Pieces.

Revision for Annual Examination.

विज्ञान

आचार्यों के लिए निर्देश

पाठ्यक्रम के समस्त विषय बाल केंद्रित एवं क्रिया आधारित हैं। आचार्य बंधुओं से निवेदन है कि विषय वस्तु का ज्ञान बच्चों को पारम्परिक शैली में नहीं कराकर प्रत्यक्ष विधि से करके दिखाया जाए। समुचित उपकरणों का प्रयोग शैक्षिक प्रक्रिया को रोचक बनाने में अवश्य करें। परियोजना कार्य भी कराना अपेक्षित है।

अभिभावकों के लिए निर्देश

अभिभावकों से अपेक्षा है कि वे भैया/बहनों के पठन-पाठन में प्रत्यक्ष सहयोग दें।

छात्रों के लिए निर्देश

आचार्यों द्वारा दिये गए निर्देशों का पूर्णतः पालन करें। विभिन्न विषय-वस्तु से संबंधित परियोजना कार्य भी अवश्य करें।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल
इकाई-1– परिवार एवं मित्र– अध्याय–1.1–संबंध (पृष्ठ-8 से 12)
मई+जून
इकाई-1– अध्याय–1.2–पादप अध्याय–1.3–पत्तियाँ (पृष्ठ-13 से 23)
जुलाई
इकाई-1– अध्याय–1.4–जन्तु- छोटा एवं बड़ा
अध्याय–1.5–खेल और कार्य (पृष्ठ-24 से 36)
अगस्त
इकाई-2– आहार– अध्याय–2.1–पौधा एवं जंतुओं से प्राप्त आहार
अध्याय–2.2–पाक क्रिया एवं भोजन ग्रहण (पृ.-37-47)
सितंबर अभ्यास कार्य– कार्य पत्रक-01-03 अभ्यास कार्य (पृष्ठ-81 से 83)

अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए पुनराभ्यास कराना।

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर
इकाई-3 आश्रय– घर के प्रकार (पृष्ठ-48 से 52)
नवंबर
इकाई-4 जल अध्याय–4.1–परिवार के लिए जल
अध्याय–4.2–जल की अपर्याप्तता
अध्याय–4.3–हमारे जीवन में जल (पृष्ठ-53 से 63)
दिसंबर
इकाई-5 यात्रा अध्याय–5.1–सफर की कहानी
अध्याय–5.2–यातायात के साधन (पृष्ठ-64 से 72)
जनवरी
इकाई-6 वस्तुओं का निर्माण एवं उपयोग
अध्याय– 6.1–कुम्हारी
अध्याय– 6.2–हमारा पहनावा (पृष्ठ-73 से 80)
फरवरी + मार्च
अभ्यास कार्य– कार्य पत्रक-04 से 07- अभ्यास कार्य (पृष्ठ-84 से 88)

वार्षिक परीक्षा के लिए पुनराभ्यास कराना।

SCIENCE

For the Teachers/Acharya Instruction

Subject matter of the lessons are child centred and activity based. Teachers are requested to teach the lesson by "direct method and to use learning by doing methodlogy go elaborate the concept clearly. Always use teaching aids and required experiment must be performed. Project work must be done.

[For Guardians Instruction]

Guardians should help the children to read the lesson properly.

[For Students Instruction]

Directions given by teachers must be followed. Project related to different topics should be prepared.

Halfyearly (Term-I) Examination

[APRIL]
UNIT-1 : FAMILY and FRIENDS
Chapter-1.1 : Relationship. (Page-5 to 12)
[MAY]+[JUNE]
UNIT-1 : Chapter-1.2 : Plants.
Chapter-1.3 : Leaves. (Page-13 to 23)
[JULY]
UNIT-1 : Chapter-1.4 : Animals-Small and Big.
Chapter-1.5 : Work and Play. (Page-24 to 36)
[AUGUST]
UNIT-2 : FOOD
Chapter-2.1 : Foods from Plants and Animals.
Chapter-2.2 : Cooking and Eating Food. (P.-37 to 47)
[SEPT.] Exercise Work : Worksheet-01-03 Practice Work (P.-81 to 83)

Revision for Halfyearly Examination.

Annual (Term-II) Examination

[OCTOBER]

UNIT-3 : SHELTER- Types of House. (Page-48 to 52)

[NOVEMBER]

UNIT-4 : WATER

Chapter-4.1 : Water for my Family.

Chapter-4.2 : Water Shortage.

Chapter-4.3 : Water in Our Lives. (Page-53 to 63)

[DECEMBER]

UNIT-5 : TRAVEL

Chapter-5.1 : Story of Journey.

Chapter-5.2 : Means of Transport. (Page-64 to 72)

[JANUARY]

UNIT-6 : THINGS WE MAKE and DO

Chapter-6.1 : Pottery.

Chapter-6.2 : Clothes we wear. (Page-73 to 80)

[FEB+MAR]

Extra Work : Worksheet- 04 to 07-Practice Work (Page-84 to 88)

Revision for Annual Examination.

सामान्य अध्ययन

ज्ञान भारती : 40 अंक + महाभारत : 40 अंक = 80 अंक

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

नवीन घटना से भैया-बहनों को अवगत कराना।

अप्रैल

ज्ञान भारती : पाठ-1- राष्ट्रगीत। पाठ-2- हमारे राष्ट्रीय प्रतीक।

महाभारत : पाठ-1- श्री गणेशाय नमः। पाठ-2- भीष्म-प्रतिज्ञा।

मई+जून

ज्ञान भारती : पाठ-3- देश-दर्शन।

पाठ-4- ग्रंथ एवं उनके रचयिता, ज्ञान परीक्षण-1.

पाठ-5- विश्व में सर्वाधिक बड़ा, छोटा, लंबा एवं ऊँचा।

पाठ-6- विभिन्न देशों के राष्ट्रीय चिह्न।

महाभारत : पाठ-3- तुम्हें क्या दिखता है?

पाठ-4- बात वही कहो, जो पूरी कर सको।

पाठ-5- जाको राखे साइयाँ।

पाठ-6- राक्षस मारा गया।

जुलाई

ज्ञान भारती : पाठ-7- भारतीय राज्यों की राजधानियाँ

पाठ-8- स्थान एवं उनसे जुड़े व्यक्ति, ज्ञान परीक्षण-2

पाठ-9- महत्त्वपूर्ण दिवस।

महाभारत : पाठ-7- पाँचों भाई बाँट लो।

पाठ-8- बड़ा कौन?

पाठ-9- तीखे बोल।

अगस्त

ज्ञान भारती : पाठ-10- विभिन्न देशों की मुद्राएँ।

पाठ-11- पशु, पक्षी एवं कीड़े-मकोड़े।

पाठ-12- आविष्कार एवं आविष्कारक, ज्ञान परीक्षण-3.

महाभारत : पाठ-10- विनाशकाले विपरीतबुद्धिः।

पाठ-11- वयं पंचाधिकम् शतम्।

पाठ-12- भूखे कृष्ण।

सितंबर ***अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए पुनराभ्यास कराना।***

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर

ज्ञान भारती : पाठ-13- भारत के शास्त्रीय नृत्य।

पाठ-14- विभिन्न देशों के राष्ट्रीय खेल।

महाभारत : पाठ-13- युधिष्ठिर की परीक्षा।

पाठ-14- श्रीकृष्ण सारथी बने।

नवंबर

ज्ञान भारती : पाठ-15- भारतीय राज्यों के महत्त्वपूर्ण खाद्य पदार्थ।

पाठ-16- विश्व के सात नए अजूबे, ज्ञान परीक्षण-4

पाठ-17- भारत में प्रथम।

महाभारत : पाठ-15- शान्तिदूत श्रीकृष्ण।

पाठ-16- उत्तिष्ठ युद्धस्व भारत!

पाठ-17- विजय का आशीर्वाद।

दिसंबर

ज्ञान भारती : पाठ-18- नदियों के किनारे बसे शहर।

पाठ-19- हमारे सहायक।

पाठ-20- शब्द संक्षेप।

महाभारत : पाठ-18- बाणों की शय्या पर भीष्म।

पाठ-19- अभिमन्यु की वीरता।

पाठ-20- आचार्य द्रोण भी नहीं रहे।

पाठ-21- कर्ण का पतन।

जनवरी

ज्ञान भारती : पाठ-21- कंप्यूटर, ज्ञान परीक्षण-5.

महाभारत : पाठ-22- आखिर दुर्योधन मारा गया।

फरवरी+मार्च

ज्ञान भारती : पाठ-22- बुद्धि परीक्षा।

महाभारत : पाठ-23- महाभारत के बाद...।

वार्षिक परीक्षा के लिए पुनराभ्यास कराना।

COMPUTER

Theory = 50 Marks + Practical = 30 Marks = 80 Marks

General Instruction

1. Always entered in classroom with teaching aids.
2. Provide sufficient lab time to each and every student.
3. Motivate to do something extra
4. Clear the concept of all topics/terms of students.
5. Provide three computer classes in a week.
6. Complete your project work properly.

Book's Name : My Computer, Vol-III

Term-I (Half Yearly)

APRIL

Theory : Chapter-1 'What's Computer

Practical : How to start and close the computer?

MAY

Theory : Chapter-2 **Computer System**

Project Work : Draw the picture of difference part of computer.

JUNE

Theory : Chapter-3 **Operate the Computer**

Practical : List Do's and Don'ts.

JULY

Theory : Chapter-4 **Typing with Keys**

Practical : Write a paragraph of any topic in text

editor or word processor e.g. my school, my favorite game etc.

AUGUST

: Revision of chapters 1, 2 & 3.

SEPTEMBER

: Revision of all chapters 1, 2, 3 & 4.

Term - II (Annual)

OCTOBER

Theory : Chapter-5 **Logo**

Practical : Open Logo and underst and Components of Logo Screen.

NOVEMBER

Theory : Chapter-6 **Draw & Design**

Practical : Draw a different shape in Logo.

DECEMBER

Theory : Chapter 7 **Network & Internet**

Practical : Work with Internet.

JANUARY

Theory : Revision of chapters 5, 6 & 7.

FEBRUARY + MARCH

Revision for Annual Examination.

चित्रकला

वर्णनात्मक : 20 अंक + चित्र निर्माण : 60 अंक = कुल : 80 अंक

आचार्यों के लिए निर्देश

- बच्चों को स्वतंत्र चित्र बनाने के लिए प्रेरित करना।
- ध्यानपूर्वक उनके चित्रों का निरीक्षण करना।
- 2-एच.बी. पेंसिल, मोम रंग, स्केच आदि का प्रयोग करना।

भैया-बहनों के लिए निर्देश

- स्वतंत्ररूप से अपने मनोनुकूल चित्र बनाने का प्रयास करें।
- आवश्यक सामग्री जैसे- ड्राईंग कॉपी, 2-बी० पेंसिल शेडिंग के लिए, वाटर कलर, ब्रश (2 एवं 0 नं० का) मोम रंग आदि का ध्यान रखें।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल

- प्राक्कथन समझाना। पृष्ठ क्रमांक-03 में कला में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों को बताना एवं याद कराना। पृष्ठ क्रमांक-04 को समझाना एवं प्रश्नोत्तरी माध्यम से पूछताछ करना। वृत्त बनाकर प्राथमिक एवं द्वितीय रंगों का अभ्यास करवाना।

(पीला) + (नीला) = (हरा)

मई+जून

- **पृष्ठ क्र०-5 से 10-** फोटोफ्रेम, भू-आकृति, कुत्ता, पक्षी, तोता एवं रंग योजना के अनुसार चित्र बनाकर रंग भरने का अभ्यास कराना।
- **प्रोजेक्ट वर्क- पृष्ठ क्र०-6-** के अनुसार चार्ट पेपर पर घर का चित्र बनाकर रंगीन बुरादे से सजाना।

जुलाई

- **पृष्ठ क्र०-11 से 14-** हाथी, बिल्ली, मछली एवं दृश्य चित्र के अनुसार चित्र बनाकर रंग भरने का अभ्यास।
- **प्रोजेक्ट वर्क-** कार्ड बोर्ड पर हाथी का चित्र बनाकर कक्षा में लगावें।

अगस्त

- पृष्ठ क्र०-15 से 17-कार, तितली एवं रचना के अनुसार चित्र बनाने एवं रंगने का अभ्यास।
- पृष्ठ क्र०-18 के अनुसार टॉमी कुत्ते का चित्र बनाकर रंग भराना।

सितंबर

अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए पुनराभ्यास कराना।

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर

- पृष्ठ क्र०-19 के अनुसार तरबूज का चित्र बनवाकर रंग भरवाना।

नवंबर

- **पृष्ठ क्र०-20**-वृत्त के अंदर मछली। **पृष्ठ क्र०-21**-कछुआ। **पृष्ठ क्र०-22**-खरगोश एवं **पृष्ठ क्र०-23**-मुर्गा का चित्र बनाकर रंगों से सजाने का अभ्यास।
- <u>प्रोजेक्ट वर्क</u>- बॉयलोजी पेपर पर वृत्त के अंदर तैरती मछली का चित्र बनाकर रंगीन सितारे एवं बुरादे से सजाना।

दिसंबर

- **पृष्ठ क्र०-24**-क्रमानुसार चित्रण। **पृष्ठ क्र०-25**-टोकरी एवं फल। **पृष्ठ क्र०-26**-आलेखन। **पृष्ठ क्र०-27**-फूल और तितली के अनुसार चित्र बनाने एवं रंगने का अभ्यास।

जनवरी

- **पृष्ठ क्र०-28 से 30** के अनुसार गाय, भालू एवं बादल के चित्र को देखकर चित्र बनाना एवं रंग भरना।

फरवरी-मार्च

- **पृष्ठ क्र०-31 एवं 32** के अनुसार घोड़ा एवं सब्जियों का चित्र बनाकर रंग भरना एवं दृश्यों का चित्रण कराना।

वार्षिक परीक्षा के लिए पुनराभ्यास कराना।

शारीरिक स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा

भैया-बहनों के लिए निर्देश

1. अनुशासित, चरित्र संपन्न व योग्य एवं देशभक्त नागरिक गुणों का विकास।
2. बिना व्यायाम भोजन नहीं इसे अपने दिनचर्या में शामिल करना।
3. सेवा, स्वच्छता, जल व पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन में उतारना।
4. आचार्य द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करना।
5. नयी क्रिया आचार्य जी की देख-रेख में करना व बताये गए कार्यों का बार-बार अभ्यास करना।
6. सामाजिकता एवं नेतृत्व गुणों का विकास करना।
7. विभिन्न अंतर्निहित क्षमताओं व कौशल का विकास करना।
8. इच्छा शक्ति का विकास करना।
9. सामूहिक व्यायाम, योग एवं पी॰टी॰ की व्यवस्था समयानुसार होनी चाहिए।

(अ) <u>नैसर्गिक क्रियाएँ</u>

1. पूर्व कक्षा की पुनरावृत्ति।
2. एक के बाद दूसरे हाथ से सामने की ओर, ऊपर की ओर बगल में मुक्के चलाना।
3. दोनों हाथ बाजू में फैलाना और कमर से दायें, बायें बाजू में झुकना।
4. मेंढक की तरह कूदना।
5. ऊँट की तरह चलना।
5. बतख की चाल चलना।
7. चलते-चलते ऊँची कूद।
6. दोनों हाथ सामने, उछल-उछल कर घुटना हाथ को लगाना।
7. समता-दक्ष, आरम्, स्वस्थः, वाम-दक्षिणवृत्त, मितकाल।

(आ) स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा

1. पूर्व कक्षा की पुनरावृत्ति।
2. शरीर का रख-रखाव, स्नान तथा कपड़े की स्वच्छता एवं व्यवस्थितता।
3. ज्ञानेन्द्रियों एवं कर्मेन्द्रियों के संबंध में ज्ञान एवं उनका समुचित विकास।
4. भोजन की रख-रखाव एवं संतुलित आहार के संबंध में जानकारी।
5. दाँतों की रक्षा एवं देखभाल।
6. घर तथा कक्षा की सफाई एवं रख-रखाव।

7. अपने से बड़ों के प्रति आदर व सेवा भाव।
9. भोजन के पूर्व व पश्चात् हाथ व मुँह धोना।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल

सिद्धांत : अनुशासन के बारे में, अनुशासन का महत्व व एकाग्रता से संबंध बताना।

ध्यान : 'ॐ' मंत्र का उच्चारण व अभ्यास।

खेल : छूने, भागने एवं पकड़ने के खेल। हाथ-पैर संचालन के सामान्य व्यायाम कराना।

पुस्तक : अध्याय-1- योग का ज्ञान। योग के बारे में बताना, योग के अंग, इसकी आवश्यकता, महत्त्व एवं लाभ बताना। प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

मई + जून

शुद्धि क्रिया : शुद्धि क्रियाओं पर विशेष ध्यान देना–शौच, दन्त-धौति, जिह्वा, मुख, आँख, कान, नाक, हाथ, नाखून, बाल आदि की स्वच्छता के बारे में बताना।

व्यायाम : विभिन्न प्रकार के संधि योगों का अभ्यास।

आसन : सुखासन (प्रार्थनासन), पद्मासन, वज्रासन एवं उष्ट्रासन का अभ्यास कराना।

खेल : स्पर्श के खेल- विष-अमृत, भस्मासुर, गणेश-छू, अंग-छू आदि खेल का अभ्यास।

कर्मयोग : मिलजुल कर रहना, काम करना, दूसरों की सेवा एवं सहयोग करना, मिल-बाँटकर खाना आदि के बारे में बताना।

पुस्तक : अध्याय-2- यम और नियम का पालन। अध्याय-3- आसन– अर्थ, आवश्यकता, महत्त्व और लाभ के विषय में बताना। प्रश्नोत्तर कार्य। आसन का अभ्यास कराना।

जुलाई

खेल : मंडल में खड़े-खड़े, घूमने वाले खेल का अभ्यास कराना।

व्यायाम : स्थिर गति में अंग संचालन के व्यायाम का अभ्यास कराना।

कर्मयोग : किसी भी पशु-पक्षी को रोटी और पानी देना। पौधा लगाने एवं उसमें पानी देना के महत्त्व एवं लाभ के बारे में बताना।

पुस्तक : अध्याय-4-प्राणायाम। अध्याय-5-ध्यान– विषय के बारे में बताना, महत्त्व एवं लाभ बताना। अभ्यास कराकर प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

अभ्यास : भस्त्रिका, कपालभाति, भ्रामरी, अनुलोम-विलोम, शीतली एवं सित्कारी प्राणायाम का अभ्यास विधिपूर्वक कराना, लाभ के बारे में बताना। प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

लिखित : संबंधित अध्याय से प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

अगस्त+सितंबर

अभ्यास : पूर्व में किए गए सभी आसन, प्राणायाम एवं खेल आदि का पुनराभ्यास।

व्यायाम : द्रुतगति में अंग संचालन वाले व्यायाम का अभ्यास।

खेल : मंडल में बैठकर मानसिक और स्मरण शक्ति के विकास के खेल- महापुरुषों के नामों की मालिका, अंक कटने पर राम या कृष्ण कहना, वस्तु की खोज, नेता की खोज आदि।

पुस्तक : अध्याय-6 सूर्य नमस्कार एवं अध्याय-7 स्वास्थ्य शिक्षा– अर्थ, आवश्यकता, महत्त्व एवं लाभ के बारे में बताकर मंत्र सहित सूर्यनमस्कार का अभ्यास कराना। प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

पूर्व में किए गए सभी आसन, प्राणायाम एवं खेल आदि का पुनराभ्यास। मंत्र सहित सूर्यनमस्कार का अभ्यास कराना। प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर

अभ्यास : समय-समय पर आसन एवं प्राणायामों का अभ्यास कराना।

सूर्य नमस्कार : सूर्य नमस्कार का पहले सामान्य अभ्यास कराना। स्थिति ध्यान में आने के बाद एक-एक स्थिति को ठीक कराना। सही स्थिति का अभ्यास कराना।

व्यायाम : ऊपर-नीचे, आगे-पीछे, अगल-बगल झुककर करने वाले व्यायाम का अभ्यास।

खेल : एकाग्रता के खेल- वस्तु की पहचान, भाई-भाई कहाँ हो आदि खेल का अभ्यास कराना।

कर्मयोग : स्वच्छता, सदाचार, सहयोग, सेवा एवं सहायता के भाव विकसित

करना।

पुस्तक : अध्याय-8 ज्ञानेन्द्रियाँ- अर्थ, अंग, उपयोगिता एवं कार्य को बताना। देखभाल करने के तरीके बताना। प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

नवंबर

अभ्यास : समय-समय पर आसन, प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराना।

व्यायाम : आगे-पीछे, अगल-बगल, जाने-आने वाले अंग संचालन के व्यायाम कराना। झुककर करने वाले व्यायाम का अभ्यास।

खेल : शक्ति परीक्षण (द्वन्द) के खेल- रस्सी खींच, अग्नि कुंड, टैंक युद्ध, दीवार युद्ध, टकराकर हाथ छुड़ाना, स्कंद युद्ध, ग्रीवा युद्ध, बाजू युद्ध आदि नये-पुराने खेल का अभ्यास कराना।

कर्मयोग : घर एवं विद्यालय में हमारे द्वारा गंदगी न फैले, स्वच्छता संबंधी जानकारी देना। घर या विद्यालय में पौधों के देखभाल की विधि बताना।

विशेष : रामकृष्ण, सीता और सावित्री आदि की कहानी सुनाना।

पुस्तक : अध्याय-9 आहार के गुण एवं अध्याय-10 दाँतों व त्वचा की सुरक्षा- विषय के बारे में बताना। आहार की आवश्यकता एवं लाभ बताना। शरीर की सफाई के विषय में बताना। प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

दिसंबर

अभ्यास : समता एवं संचलन का अभ्यास कराना। पूर्व के आसन, प्राणायाम और सूर्य नमस्कार आदि का भी अभ्यास कराना।

व्यायाम : स्थिर गति एवं द्रुत गति के मिश्रित व्यायाम कराना। दो पंक्ति को आमने-सामने खड़ा कर व्यायाम कराना।

खेल : दौड़ के खेल- स्थान या वस्तु छूना, डमरू बनाना, दौड़ कबड्डी, सामने दौड़कर जाना तथा सामने देखकर पीछे आना के खेल बताना।

कर्मयोग : स्वच्छता पर ध्यान- स्वयं की स्वच्छता, आस-पास के परिसर की स्वच्छता, सामूहिक स्थल की स्वच्छता पर ध्यान दिलाना। इसकी आवश्यकता एवं लाभ बताना।

पुस्तक : अध्याय-11 घर की तथा कक्षा की सफाई एवं अध्याय-12- नागरिकता- विषय के बारे में बताना। प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

विशेष : लव-कुश, ध्रुव-प्रह्लाद, श्रवण कुमार आदि की कहानी सुनाना।

जनवरी

अभ्यास : पूर्व में किए गए सभी कार्यों, पठित पाठों का पुनराभ्यास कराना।

व्यायाम : सभी प्रकार के अंग संचालन के व्यायाम का पुनराभ्यास।

खेल : कबड्डी एवं खो खो खेल का अभ्यास कराना।

विशेष : एकलव्य, शिवाजी, महाराणा प्रताप, सुभाषचंद्र बोस की कहानी सुनाना।

पुस्तक : अध्याय-13 आओ खेलें खेल- आवश्यकता, महत्त्व एवं लाभ बताना। खेल का अभ्यास कराना। प्रश्नोत्तर कार्य कराना। अध्याय-14 संगीत

फरवरी+मार्च

पूर्व में किए गए सभी आसन, प्राणायाम एवं खेल आदि का पुनराभ्यास। मंत्र सहित सूर्यनमस्कार का अभ्यास कराना। प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

PHYSICAL, HEALTH AND YOGA EDUCATION

Essential Instructions For Brothers and Sisters

1. To be a disciplined, character rich and capable citizen.
2. To impart the knowledge that exercise is necessary like food.
3. To develop the qualities of collectivism and service spirit.
4. To follow the instructions given by the teachers.
5. To do new action under the supervision of teacher and do the tasks mentioned.
6. To develop leadership qualities.
7. To develop various inherent abilities and skills.
8. Developing will power.
9. Mars PT should be arranged on time.
10. Brothers and Sisters move from the classroom to the designated place in your field, teacher stays with him.

NATURAL MOVEMENT - Libeuated Action

(A) Natural movement unmukt Kriya :-

1. Pre class repetition.
2. Throw punches one after the other with the other hand to the

front, up to the side.

3. Extend both the hands to the side and bend from the waist to the right, left side.
4. Jump like a frog.
5. Walk like a camel.
6. Duck Walk.
7. High jump game on the go.
8. With both hands in front, jump and touch the kneeling hand.
9. Samta-Daksha, Aaram, Left- Dakshinavtra, Mitkal.

(B) Health and Physical Education :-

1. Repetition of previous class.
2. Body maintenance, bath and clothes etc.
3. Information about the senses and their development.
4. Information requarding, keeping and Eating food.
5. To protect the teeth.
6. Using personal belongings for example towel etc.
7. Cleaning and maintenance of home and classroom.
8. Respect and service towards elders by comming.
9. Washing hands and mouth before and after.

Halfyearly (Term-1) Examination

Principle :- **To give information about the primary habits to keep the body healthy and give its importance. Such as balanced routine, diet, special attention to self-hygiene.**

[APRIL]

Doctrine : To tell about discipline, importance of discipline and its relation to concentuation.

Meditation : Chanting and practicing the Ohm mantra.

Game : To do general exercises of hands and fect movement, touch, run and catch games.

Book : Chapter-1-Knowledge of Yoga. Telling about Yoga,

Parts of Yoga. Explain its need, importance and benefits. Doing question and answer.

[MAY]+[JUNE]

Shuddhikriya : Pay special attention to purification activities- To tell about cleanliness to defecation, teeth, tongue, mouth, eyes, ears, nose, hands, nails, hair etc.

Exercise : Practicing different types of Sandhi Yogas.

Asana : Practice Asana Sukhasana (Prayer Pose), Padmasana, Vajrasane and Ustrasana.

Games : Games of touch-Vish-Nectar, Bhasmasura, Ganesh-touching, Anga-touching etc. Practicing sports.

Karmayoga : Living together, working, Serving and supporting others telling about doing, sharing food etc.

Book : Chapter-2- The Practice of Yama and Rules, Chapter-3- Asanas telling about meaning, need, importance and Benefits to practice work posture.

[JULY]

Game : To practice the standing, walking game in the circle.

Exercise : To practice the exercise of limb movement in a steady motion.

Karmayoja : Giving bread and water to animal and bird. Planting and to tell about the importance and benefits of nature.

Chapter-4, Pranayama, Chapter-5, Meditation

Book : To practice bhastrika, kapal bhati anulom-vilom, sheetali, pranayama, methodically to the benefits. Doing question and

[AUGUST+SEPTEMBER]

Practice : Rehearsing all the asanas, pranayama and sports etc done in the past.

Exercise : The practice of quick limb movement exercises.

Games : Games for the development of mental and memory

power by sitting in the circle. Mastering the names of greatman, saying Rama or Krishna on deducting marks, Searching for an object, searching for a leader.

Book : Chapter-6- Surya Namaskar and Chapter-7- Health Education. To practice Suryanamaskar with mantra by telling about the meaning, need, importance and benefits. Doing question answer.

Rehearsing all the asanas, pranayama and sports done in the past, along with the mantra to practice Suryanamaskar. Doing question and answer.

[SEPTEMBER] ***Revision for Halfyearly Examination.***

Annual (Term-II) Examination

[OCTOBER]

Practice : From time to time to practice asanas and pranayamas.

Suryanamaskar : Before doing the general practice of surya namaskar. After getting the situation at a time, practing the correct situation.

Exercise : Concentration games- Object recognition, where brother is brother etc. To practice the game.

Karmayoga : To develop the spirit of cleanliness, virtue, co-operation, services and help.

Book : Chapter-S- Gyanendriyas meaning, organs, utility and functions. Teach me how to care. Doing question and answer.

[NOVEMBER]

Practice : From time to time to practice Asana, Pranayama and Suryanamaskar.

Exercise : To do exercises of movement of the limbs in front and back, side to side, going and moving. Bending exercises.

Game : Games of strength test (dueling)- Rope, Pulling, Fire

kit, Tank battle, Wall war, Colliding releasing hands. Skanda war, Griva war, Arm war etc. To practice new and old games.

Karmayoga : To give information related to cleanliness not spread by us in home and school. Explain the method of taking care of plants at home or school.

Special : Telling the story of Ramakrishna, Sita and Savitri etc.

Book : Chapter-9- To tell about the properties of diet and Chapter-10- To tell about the protection of teeth and skin. Explain the need and benefits of diet. Telling about the clealiness of the body. Doing question and answer.

[DECEMBER]

Practice : To practice equality and movement. to practice the pranayama postural of the east and surya namaskar.

Exercise : To do mixed exercise of steady speed and fast speed, to exercise by standing. Two rows facing each other.

Game : Games of running-touching a place or object, making damru, running kabaddi, running in front and telling the games of coming back after seeing the front.

Karmayoga : Attention to cleanliness self cleanliness of surrounding permises. To pay attention to clean-liness, clealiness of the collective place, his state the need and benefits.

Book : Chapter-11- Cleaning the house and classroom and Chapter-12 citizenship- Telling about the subject. Doing question and answer.

Special : Telling the story of Lav-Kush, Dhruv, Prahlad, Sharavan Kumar etc.

[JANUARY]

Practice : Rehearsing all the work done lessons read.

Exercise : Rehearsal game of all types movement exercise.
Game : To practice Kabaddi and Kho-Kho.
Special : Telling the story of Eklavya, Shivi Ji, Maharana Pratap, Subash Chandra Boshe.
Book : Chapter-13- Let's play the sports Explain the need, importance and benefits. To practice doing question and answer.

[FEB.]+[MARCH]

Rehearsing all the asanas, pranayama etc. done in the past. To practice suryanamaskar with mantra. Doing question and answer.

Revision for Annual Examination.

संगीत

सामान्य निर्देश- **अनमोल शारीरिक स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा के अध्याय-14 के आधार पर पाठ्यक्रम–**

संगीत हमारी भारतीय संस्कृति की धरोहर है। वेदों में भी इसकी चर्चा की गयी है। सामवेद में संगीत की विद्या दर्शायी गयी है। मीरा, तुलसी, सूर, कबीर, नानक इत्यादि भक्त कवियों ने संगीत के माध्यम से ईश्वर को प्राप्त किया। अत: हम संगीत की विद्या से अछूते न रह जायें ऐसा हम सभी भैया-बहनों एवं आचार्यों को इस विद्या को प्राप्त करने का सतत प्रयास करना चाहिए।

माता-पिता की भूमिका– संगीत विद्या भारती का आधारभूत अंग है। इसके अभ्यास से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। आज समाज में संगीत का महत्त्व तीव्र गति से बढ़ता जा रहा है। दूरदर्शन, रेडियो इत्यादि क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किये जा रहे हैं। जिससे बच्चों में आत्मविश्वास के साथ-साथ आर्थिक लाभ एवं स्वरोजगार के समुचित अवसर प्राप्त होते हैं।

अत: हम अभिभावकों को भी यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि हमारे बच्चों में अगर संगीत विद्या का अंकुरण हुआ है तो यह कैसे पुष्पित और पल्लवित हो ऐसा ध्यान

रखकर समयानुसार नित्य अभ्यास कराने में सहयोग दें।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा- सैद्धांतिक

1. संगीत की परिभाषा एवं स्वर के प्रकार की जानकारी देना। इससे लाभ एवं उपयोगिता की जानकारी देना।
2. गायन, वादन और नृत्य का परिचय। गायन के विभिन्न रूप (प्रकार) की जानकारी देना। वादन के विभिन्न यंत्रों के नाम की जानकारी देना। प्रयोग करने की विधि बताना। नृत्य के प्रकारों की जानकारी देना।
3. हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत पद्धति की जानकारी देना। स्वरलिपि की जानकारी देना।
4. ध्वनि की विस्तृत जानकारी देना।
5. आरोह तथा अवरोह की जानकारी।
6. स्वर सप्तक की जानकारी देना।
7. स्वराभ्यास- बोलने एवं लिखने की जानकारी देना। शुद्ध स्वरों के आरोह एवं अवरोह का अभ्यास।
8. लिखित अभ्यास– लघु व दीर्घ प्रश्न बनाकर प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

पुस्तक : **अनमोल शारीरिक स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा के अध्याय-14 के आधार पर पाठ्यक्रम–**

मई : 'लोक नृत्य' के बारे में बताना। इससे संबंधित प्रश्नोत्तर कार्य।
जून : 'ओड़िसी नृत्य' का संक्षिप्त परिचय बताना। इससे संबंधित प्रश्नोत्तर कार्य।
जुलाई : 'तबला' की जानकारी देना। इससे संबंधित प्रश्नोत्तर कार्य।
अगस्त : 'डुग्गी' अथवा 'बायाँ अंग' की जानकारी देना। इससे संबंधित प्रश्नोत्तर कार्य।
सितंबर :

अर्द्धवार्षिक परीक्षा हेतु सभी अभ्यासों की पुनरावृत्ति कराना।

वार्षिक परीक्षा- क्रियात्मक

1. स्वर सप्तक बोलने एवं बजाने का अभ्यास।
   आरोह - सा, रे, ग, म, प, ध, नि
   अवरोह - नि, ध, प, म, ग, रे, सा
2. दो-दो स्वरों के अलंकार को बोलने, लिखने एवं बजाने का अभ्यास।
   अलंकार क्र० एक एवं दो का अभ्यास-
   (क) आरोह - सासा, रेरे, गग, मम, पप, धध, निनि, सांसां
   अवरोह - सांसां, निनि, धध, पप, मम, गग, रेरे, सासा
   (ख) आरोह - साग, रेम, गप, मध, पनि, धसां
   अवरोह - सांध, निप, धम, पग, मरे, गसा
3. अलंकार क्र० तीन एवं चार को बोलने, लिखने एवं बजाने का अभ्यास-
   (क) आरोह - सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनि, धनिसां
   अवरोह - सांनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा
   (ख) आरोह - सारेगम, रेगमप, गमपध, मपधनि, पधनिसां
   अवरोह - सांनिधप, निधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा
4. संस्कृत वंदना का अभ्यास।
5. राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सस्वर अभ्यास।
6. भक्ति रस से युक्त दो भजनों का सस्वर अभ्यास।
7. लिखित अभ्यास- लघु व दीर्घ प्रश्न बनाकर प्रश्नोत्तर कार्य कराना।

पुस्तक- अनमोल शारीरिक स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा के अध्याय-14 के आधार पर पाठ्यक्रम-

नवंबर : 'सितार' की जानकारी देना। इससे संबंधित प्रश्नोत्तर कार्य।

दिसंबर : 'हारमोनियम' की जानकारी देना। इससे संबंधित प्रश्नोत्तर कार्य।

जनवरी : 'बाँसुरी' की जानकारी देना। इससे संबंधित प्रश्नोत्तर कार्य।

फरवरी+मार्च

सभी अभ्यासों की पुनरावृत्ति कराना।

विद्या भारती द्वारा निर्धारित वार्षिक गीत-2025-26

प्राथमिक कक्षाओं हेतु

**भारत माँ के चरण-कमल की,
हम नन्हीं सी धूल हैं ।
अलग-अलग है रूप-रंग और,
भाषाओं के फूल हैं ।।**

1. श्रेष्ठजनों का आदर उर में,
सेवा और समर्पण है ।
अतिथि देवो भव सा वन्दन,
प्रेम भाव का अर्पण है ।।
छोटे-छोटे बच्चे है रूप-रंग हम,
हिमगिरि के समतुल्य हैं।
अलग-अलग है रूप-रंग और,
भाषा[illegible] फूल हैं ।।

2. देश[illegible]की रक्षा के हित,
हँस[illegible] लड़ जायेंगे।
गुरु[illegible]के बच्चे बनकर,
चाहे[illegible] मिट जायेंगे।।
भारत की जयकार करेंगे,
चाहे जितने शूल हैं ।
अलग-अलग है रूप-रंग और,
भाषाओं के फूल हैं ।।

3. मिलजुल कर सब काम करेंगे,
संगठन की रीति यही।
ऊँच-नीच का भेद मिटाएं,
समरसता की नीति यही।।
सकल विश्व में नाम करेंगे,
भारत भू के मूल हैं।
अलग-अलग है रूप-रंग और,
भाषाओं के फूल हैं।।

भारत माँ के चरण-कमल की,
हम नन्हीं सी धूल हैं।
अलग-अलग है रूप-रंग और,
भाषाओं के फूल हैं।।

माध्यमिक कक्षाओं हेतु

**समरसता मात्र बिन्दु
यह भारत देश महान है।
कोई छोटा-बड़ा नहीं है
सब जन एक समान है ।।**

1. हिल मिल कर हम सब रहते हैं,
कुटुम्ब की भावना ।
सबकी जय हो प्रगति हो सबकी,
रखते हैं यह कामना ।
जन जन का उत्थान हो बस अब,
यही एक अभियान है ।
कोई छोटा-बड़ा नहीं हैं,
सब जन एक समान हैं ।।

2. सभी स्वस्थ हों सभी निरोगी,
सबका यह शुभ चिन्तन हो ।
हरित भूमि हो शस्य श्यामला,
धरा का सुन्दर कण-कण हो ।।
पर्यावरण व्यवस्थित हो अब,
देना इस पर ध्यान है।
कोई छोटा-बड़ा नहीं हैं,
सब जन एक समान हैं ।।

3. बोध हो 'स्व' का बनें स्वदेशी,
गाँव-गाँव उद्योग बढ़े।
निज कर्तव्यों को समझें और
राष्ट्रधर्म के मूल्य गढ़ें ।।
भारत है सिरमौर जगत में,
गूँजे यह फिर गान है ।
कोई छोटा-बड़ा नहीं हैं,
सब जन एक समान हैं ।।

हमारा लक्ष्य

हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत तथा शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित युवा पीढ़ी का निर्माण हो, जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और जिसका जीवन नगरों, ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित और अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्रजीवन को सुसंस्कृत, समरस तथा सुसम्पन्न बनाते हुए 'वसुधैवकुटुम्बकम्' के भाव से प्रेरित होकर विश्वकल्याण के लिये समर्पित हो ।

–विद्या भारती